तूने थामा जो हाथ मेरा | By Aayush Soman

आया था दर पर तेरे चौखट पर तेरी रोया था
तूने थाना जो हाथ मेरा कारवा मेरा चलने लगा

दर-दर में भटका ठोकर भी खाया
मिलने से पहले तुझे.....
अपने भी रूठे पराई भी छूटे
जुड़ने से पहले तुझे.....
अंजान सारे रिश्ते हुए श्याम अपने
तूने थाना जो हाथ मेरा .....

जब से सुना मैंने एक द्वार ऐसा
गया जो ना हारा कभी.....
संकट जो आया मुझ पर कभी तो
आकर संभाला तभी.....
अंधेरों में रोशन किया तूने जीवन हमारा
तूने थाना जो हाथ मेरा .....

जीवन में छाई मेरे बहारे
खुशियां ही खुशियां मिली.....
चाहत से बढ़कर दिया तुमने इतना
आयुष ने ना सोचा कभी.....
निकिता कि यह कामना दर ना छूटे तुम्हारा
तूने थाना जो हाथ मेरा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-aayush-soman/